International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Volume 01, No. 03, July - September, 2019, pp.136-138

भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में सूचना प्रोद्योगिकी – एक अध्ययन
(Information Technology in Indian Banking Sector - A Study)

दिलीप कंवरिया*

सार

वर्तमान समय में देश की बैकिंग प्रणाली देश की अर्थव्यवस्था और देश के आर्थिक विकास का मूल आधार हैं। देश के वित्तीय क्षेत्र का 70 प्रतिशत से अधिक धनराशि के लेन–देन के लिये वित्तीय क्षेत्र को प्रमुख आधार माना जाता हैं। वर्तमान में बैंको के माध्यम से अपने सभी ग्राहकों को इन्टरनेट बैंकिंग, मोबाईल बैकिंग व अन्य सेवाओं के माध्यम से मोबाईल के द्वारा घर बैठे सेवाएँ व उनके खातों के सम्बन्ध में जानकारियाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। तकनीक के माध्यम से बैंक अपने ग्राहकों को अनेक सुविधाएँ ही नही दे रहे, अपितु वे अपनी परिचालन क्षमता का भी विस्तार कर रहे हैं। सूचना प्रोद्योगिकी आज की आवश्यकता हैं। जिसके बिना बैकिंग व्यवहार अधूरे हैं।

कुन्जी शब्दः– *बैकिंग प्रणाली, इन्टरनेट बैकिंग, मोबाईल बैकिंग परिचालन क्षमता, सूचना प्रोद्योगिकी।*

प्रस्तावना

भाषा मानव जीवन का अभिन्न अंग हैं। भाषा के द्वारा ही कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को अपने भाव अभिव्यक्त करता हैं। सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक अथवा राजनीतिक कारणों से अलग–अलग मानव समूहों का आपस में सम्पर्क हो जाता हैं। पिछले कुछ समय में सूचना और सम्पर्क के क्षेत्र में अत्यधिक विकास हुआ हैं। बुद्धि एवम् भाषा के मिलाप से सूचना प्रोद्योगिकी के सहारे आर्थिक सम्पन्नता की ओर भारत लगातार अग्रसर होता जा रहा हैं। भारत में सूचना प्रोद्योगिकी का तेजी से विकास हो रहा हैं। इस क्षेत्र में विभिन्न प्रयोगो का अनुसंधान करके विकास की गति को बढाया जा रहा हैं। इलेक्ट्रोनिक्स तथा डिजिटल उपकरणों की सहायता से इस क्षेत्र में निरन्तर प्रयोग हो रहे हैं। आज के युग में ई–कॉमर्स, ई–शॉपिंग, ई–गवर्नस, ई–बैकिंग, ई–मेडीसिन आदि इलेक्ट्रोनिक माध्यमों का विकास हो रहा हैं। वर्तमान समय में बैकिंग क्षेत्र में ई–बैकिंग के माध्यम से ही बैंकों के सभी कार्य सम्पर्ण हो रहे हैं। सूचना प्रोद्योगिकी का बैकिंग क्षेत्र में अति–महत्वपूर्ण स्थान हैं।

सूचना प्रोद्योगिकी का अर्थ (Defination of Information Technology)

- **सूचना प्रोद्योगिकी से संबधित संक्षिप्त विश्वकोष में :–** सूचना प्रोद्योगिकी को सूचना से सम्बद्व माना गया हैं। इस प्रकार के विचार डिक्शनरी ऑफ कम्प्यूटिंग में भी व्यक्त किये गये हैं। मैकमिलन डिक्शनरी ऑफ इनफोर्मेशन टेक्नालॉजी में सूचना प्रोद्योगिकी को परिभाषित करते हुये यह विचार व्यक्त किया गया है कि कम्प्यूटिंग और दूरसंचार के संमिश्रण पर आधारित माईक्रो–ईलेक्ट्रोनिक्स द्वारा मौखिक, चित्रात्मक, मूल पाठ विषयक और संख्या संबधी सूचना का अर्जन, संसाधन (प्रोसेसिंग), भंडारण और प्रसार हैं।

* शोधार्थी, (इ.ए.एफ.एम.) वाणिज्य विभाग, म.द.स. विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान।

- **यूनेस्कों के अनुसार सूचना प्रोद्योगिकी की परिभाषा :–** सूचना प्रोद्योगिकी, '' वैज्ञानिक, प्रोद्योगिकीय और इंजीनिरयिंग विषय हैं और सूचना की प्रोसेसिंग, उनके अनुपयोगो की प्रबन्ध तकनीके हैं। कम्प्यूटर और उनकी मानव तथा मशीन के साथ अंतः क्रिया एवम् सम्बद्ध सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक विषय हैं।''

संबधित साहित्य का पुनरावलोकन

- डेनियल (1999) ने अपने शोधपत्र में कई विकसित देशो में ई–बैकिंग को खुदरा बैकिंग में एक माध्यम के रूप में वर्णित किया।
- अरोडा (2003) ने अपने शोधपत्र में बैकिंग क्षेत्र में तकनीकी प्रयोग को एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया बताया। उन्होने नये बैकिंग उत्पादों व सेवाओं में तकनीक के प्रभाव को बताया।
- डा. सतीश तनाजी भोसंले, डॉ. बी.एस. सोवत, ''Technological Developments in Indian Banking Sector'' इस शोधपत्र में ने बदलती, भारतीय अर्थव्यवस्था में बैंको की भूमिका को बताया। इसलिए बैंको को वैकल्पिक रूप सें लाभ उठाने के लिए उन्हे अपनी क्षमता का विकास करना चाहिए।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध–पत्र के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इसमें द्वितीयक आकडों का उपयोग किया गया हैं। संमको का संग्रहण शोधपत्रों, पत्र–पत्रिकाओं एवम् प्रकाशनों के आधार पर किया गया हैं।

शोध के उद्देश्य (Objective)

- भारतीय बैकिंग क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका को जानना।
- भारतीय बैकिंग क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के द्वारा हो रहे बदलावों की समीक्षा करना।
- भारतीय बैकिंग क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के द्वारा लोगो को को मिल रहे लाभो की व्याख्या करना।

बैंक और प्रौद्योगिकी (Technologies & Banks)

21वी शताब्दी में जहॉ एक ओर हर क्षेत्र में तकनीक का दिन प्रतिदिन प्रयोग बढ़ा हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के द्वारा अब हर कार्य सरल हो चुका हैं। बैकिंग क्षेत्र भी इससे अछूता नही रहा हैं। नई तकनीकों ने बैकिंग में जो बदलाव किए हैं। इन्होने अधिकारियों / कर्मचारियों व बैकिंग ग्राहकों को प्रभावित किया हैं। प्रौद्योगिकी के कारण ही बैकिंग उत्पादों और सेवाओं को पहले से अधिक आसानी से और प्रभावी ढंग से समझा जा सकता हैं। अत्याधिक महत्वपूर्ण सूचनाओं का आसानी से वितरण से तथा उनकी आसानी से हर वर्ग तक पहुंच के कारण बैकिंग और आसान हो चकी हैं। भारत में बैकिंग का विकास 250 साल पहले पारंपरिक शुरूआत के साथ ही होने लग गया था। आज बैकिंग की सुविधा नई तकनीकों के आने से बहुत ज्यादा बदल चुकी हैं। बैको मे अब लम्बी–लम्बी कतारे नही लगती हैं। अब हर बैकिंग उपभोक्ता की जेब में मोबाईल के रूप में अपना – अपना बैंक हैं। नेट–बैकिंग के द्वारा वह घर बैठे रकम को ईधर–उधर कर सकता हैं। बैकिंग क्षेत्र में तकनीक के प्रयोग से हर आदमी आत्मनिर्भर हो गया हैं।

बैंको में रूपयें निकालने के लिये लगने वाली लम्बी–लम्बी कतारों से छुटकारा दिलाने के लिए 1987 में निजी क्षेत्र के बैंक एच.एस.बी.सी. ने मुम्बई में पहला ए.टी.एम. लगाया था। विश्व में सबसे पहला ए.टी.एम 1969 में अमेरिका में खोला गया था। भारत मे पहला ए.टी.एम. आई.सी.आई.सी.आई. बैंक ने तथा पहला क्रेडिट कार्ड सैन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने दिया। इसके साथ ही ए.टी.एम., इन्टरनेट बैकिंग और क्रेडिट कार्ड के जरिये लोगो तक बैकिंग की पहुंच आसान हो गई इससे पैसे का लेन–देन अत्याधिक सरल हो गया। सूचना प्रौद्योगिकी के आने से बैकिंग अब पेपरलेस हो गई हैं।

इंस्टीट्युट फॉर डेवलपमेंट एंड रिसर्च इन बैकिंग टेक्नोलोजी की रिपोर्ट '' टेक्नोलोजी इन बैकिंग '' नाम से जारी रिपोर्ट में यह बात साबित हो जाती हैं।

- **इन्टरनेट बैकिंग**:– इन्टरनेट बैकिंग सूचना प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण अंग हैं। इसके लिए मोबाईल या कम्प्यूटर पर इन्टरनेट के माध्यम से लेन–देन व सूचना का आदान–प्रदान होता हैं।
- **मोबाईल बैकिंग :–** आजकल बैकिंग के कई एप मौजूद हैं, जो मोबाईल के जरिए मोबाईल बैकिंग को बढावा दे रहे हैं। इनके माध्यम से हर किसी की जेब में बैंक पहुॅच गया हैं।
- **टेलिफोन बैकिंग :–** यह बैकिंग एक पुराना रूप हैं जो वर्तमान में कम प्रचलन में हैं।
- **एस.एम.एस. बैकिंग :–** इसमें बैंक द्वारा स्कीम, नयी योजनाए, स्टेटमेन्ट, व अन्य सुविधाऍं सीधे मोबाईल पर मैसेज के द्वारा भेज दी जाती हैं।
- **क्रेडिट कार्ड :–** क्रेडिट कार्ड का उपयोग हम ऑनलाईन शॉपिंग और POS टर्मिनल पर कर सकते हैं। क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने के लिऐ आपके बैंक में बैलेस होना चाहिए।
- **डेबिट कार्ड :–** यह ए.टी.एम. से पैसे निकालने के साथ ऑनलाईन शॉपिंग भी कर सकते हैं। यह भी हमारे बैंक अकाउंट से लिंक होता हैं।
- **ए.टी.एम. :–** ए.टी.एम. कार्ड का उपयोग हम ए.टी.एम. मशीन से पैसे निकालने के लिए आपको एक चार अंको का पिन डालना पड़ता हें। ए.टी.एम. को खाते से लिंक किया जाता हैं। यह एक सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलोजी हैं।

निष्कर्ष

बैकिंग आज की आवश्यकता हैं। आज बैकिंग के बिना कोई भी कार्य संभव नही हैं। पिछले एक दशक में सूचना – प्रौद्योगिकी का जिस तरह से बैकिंग क्षेत्र में उपयोग बढ़ा हैं, हम कह सकते हैं कि बैकिंग ने और अधिक प्रगति की हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के नित्य नए आयाम स्थापित होने से बैकिंग प्रक्रियाऍं और भी अधिक उन्नत हुई हैं। हम यह कह सकते हैं कि भविष्य में सूचना प्रौद्योगिकी के विकास से बैकिंग क्षेत्र में नए प्रयोग होगें। बैंक आज की तरह भविष्य में भी इसकी आवश्यकता बनी रहेगी।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- Bank Quest
- www.wikipedia.in
- www.informationtechnologyinindia.com
- banks and information technology in india
- information technology in India
- योजना
- SLBC Report
- RBI Report
- डेनियल (1999)
- अरोड़ा (2003)
- डॉ. सतीश तानाजी भौसले, डॉ. बी.एस. सावन्त “Technological Developments in Indian Banking Sector”

❖◆❖